चेला वोही चीज लाना रे गुरु ने मंगाई

चेला वोही चीज लाना र गुरु ने मंगाई

पहली भिक्षा अन की लाना
नगर बस्ती के पास ना जाना
चलती चक्की तज कर लाना
झोली भर के लाना र गुरु ने मंगाई
चेला वोही चीज.....

दूजी भिक्षा जल की लाना
कुआं बावड़ी के पास ना जाना
नदी नाला तज कर लाना
कमंडल भर के लाना र गुरु ने मंगाई
चेला वोही चीज.....

तिजी भिक्षा लकड़ी लाना
झाड़ जंगल के पास ना जाना
आली सुखी देख के लाना
गट्ठर बांध लाना र गुरु ने मंगाई
चेला वोही चीज.....

चोथी भिक्षा अग्नि लाना
चूल्हा भट्टी के पास ना जाना
कहत कबीर सुन र चेला

ठठेरा भर के लाना र गुरु ने मंगाई
चेला वोही चीज लाना र गुरु ने मंगाई

लिरिक्स by पुरानी कथा

Source: https://www.bharattemples.com/chela-wohi-cheej-lana-re-guru-ne-mangai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw